

मगण पुं. (तत्.) काव्य में आठ गणों में से एक गण जिसमें तीन गुरु वर्ण होते हैं।

मगदल पुं. (तद्.) मूंग या उड़द का एक प्रकार का लड्डू या मोदक, मुग्द, मगद।

मगध पुं. (तत्.) बिहार राज्य के एक प्रमुख भाग का नाम, जिसकी राजधानी पाटलिपुत्र थी।

मगधीय पुं. (तत्.) मगध से संबंधित।

मगन वि. (तद्.) 1. मग्न, डूबा हुआ, किसी ध्यान या तपस्या में मग्न 2. अत्यंत प्रसन्न, अंतर्हित, अनुरक्त 3. लिप्त, लवलीन, निमज्जित।

मगर पुं. (तद्.) 1. एक जलचर जीव, मकर मुहा. मगर से बैर कर पानी में रहना- शक्तिशाली के साथ रहकर उस से शत्रुता रखना 2. परंतु, लेकिन।

मगरमच्छ पुं. (तद्.) मकर, मगरमच्छ, घड़ियाल नामक जीव लाक्ष. विशालकाय मछली मुहा. मगरमच्छ के आँसू- दिखावटी दुःख या सहानुभूति।

मगरा वि. (तत्.) हठ करने वाला, जिद्द से भरा, मक्कार, ठिठाई करने वाला, धूर्त पुं. घड़ियाल, मगर (देश.) खिडकी या मकान की छत का छज्जा।

मगरिब पुं. (तत्.) सूर्यास्त होने की दिशा, पश्चिम दिशा।

मगरूर वि. (तत्.) अहंकारी, अभिमान करने वाला, धमंडी।

मगरूरी स्त्री. (अर.) घमंड, अहंकार, दर्प, अभिमान।

मगह पुं. (तद्.) मगध, आज के बिहार का दक्षिणी प्रदेश।

मगहपति पुं. (तद्.) मगध प्रदेश का स्वामी।

मगहर पुं. (तद्.) दे. मगध।

मगही वि. (तद्.) मगध देश से संबंधित।

मग्न वि. (तत्.) डूबा हुआ, अंतर्लीन, मग्न; तप साधना में मग्न, तन्मय।

मग्नांशुक पुं. (तत्.) झीना वस्त्र जो भीग जाने पर शरीर पर चिपक जाता हो तथा जिसमें से शरीर

सभी अंग स्पष्ट दिखाई पड़ते हैं, चित्र. वह चित्र जिसमें स्त्री के गीले वस्त्रों को उसके शरीर से चिपके दिखाए जाएँ।

मघवा पुं. (तत्.) 1. देवराज इंद्र 2. उल्लू।

मचक पुं. (तत्.) मचकने की क्रिया या भाव।

मचका स्त्री. (तद्.) 1. भटका, झोंका, झूला 2. झूले को धक्का देना या पैंग देना।

मचकाना अ.क्रि. (तद्.) 1. मच-मच की आवाज होना 2. झुकना।

मचना अ.क्रि. (देश.) सब तरफ होना या फैल जाना, शोर ममना, धूम मचना, सब को खबर होना।

मचमचाना अ.क्रि. (तद्.) कोई चीज दबने से मच-मच की ध्वनि होना, चरमर करना।

मचलना अ.क्रि. (देश.) 1. कुछ प्राप्त करने के लिए उत्कंठित होना, लालायित होना 2. व्याकुल हो जाना 3. हठ करना।

मचलाना स.क्रि. (देश.) मचलाने की क्रिया।

मचली स्त्री. (तत्.) वमन होने की घबराहट या प्रवृत्ति।

मचान स्त्री. (तद्.) ऊँचा स्थान, मंच, लकड़ी के लंबे टुकड़ों, बाँसों, पेड़ों के सहारे रस्सों से बाँधकर शिकार के लिए या खेत के अनाज की रखवाली के लिए बनाया गया ऊँचा स्थान या मंच।

मचाना स.क्रि. (देश.) शोर फैलाना, कोलाहल करना।

मचिया स्त्री. (देश.) चारपाईनुमा बुनी हुई छोटी चारपाई, चौकी, मोढ़ा, माचा आदि।

मच्छ पुं. (तद्.) मत्स्य, मछली।

मच्छरदानी स्त्री. (देश.) मच्छरों से बचने के लिए जालीदार कपड़े का बना खाट का पर्दा।

मच्छी स्त्री. (फा.) मछली।

मच्छीमार पुं. (देश.) मछली पकड़ने का व्यवसायी।

मछरंगा पुं. (देश.) एक जलपक्षी जो मछलियाँ पकड़कर खाता है।

मछली स्त्री. (तद्.) 1. एक प्रकार का जलचर जीव, जो अंडज होता है 2. मछली के आकार का सोने-चांदी का बना आभूषणनुमा लटकन।